मेरी बीवी की फटी जींस पैंट

“माय हॉट वाइफ नंगी कहानी में पढ़ें कि मेरी चालू बीवी सेक्स की इतनी भूखी है कि मौक़ा मिलते ही वो किसी का भी लंड अपनी चूत में ले लेती है. फटाफट सेक्स के लिए उसके क्या किया ? …”

Story By: (beenaritesh85)
Posted: Friday, September 24th, 2021
Categories: Hindi Sex Story
Online version: मेरी बीवी की फटी जींस पैंट

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरी बीवी की फटी जींस पैंट

माय हॉट वाइफ नंगी कहानी में पढ़ें कि मेरी चालू बीवी सेक्स की इतनी भूखी है कि मौक़ा मिलते ही वो किसी का भी लंड अपनी चूत में ले लेती है. फटाफट सेक्स के लिए उसके क्या किया ?

लंड की परमानेंट भूखी मेरी प्यारी बीवी नीना की चुदाई में इंट्रेस्ट लेने वाले मेरे प्रिय दोस्तो और सहेलियो !

आपको आज मैं अपनी नीना डार्लिंग की एक ऐसी सच्ची सेक्स हरकत बताने जा रहा हूं जिसको सुनकर आप हंसते-हंसते लोटपोट हो जाएंगे।

तो मजा लें माय हॉट वाइफ नंगी कहानी का !

एक संडे शाम की बात है, जब मैं घर के सारे कपड़ों को मोड़ कर प्रेस कराने के लिए रख रहा था।

अचानक मेरी नजर नीना मैम की सॉफ्ट दिखने वाली जींस पैंट पर गई, जिसकी सिलाई पीछे से करीब 5 या 6 इंच तक खुली हुई थी।

नीना वहीं पास में ही बैठ कर कुछ दूसरे काम में लगी थी लिहाजा उसकी जींस में मैंने अपना हाथ आर पार करते हुए उसे दिखाया।
साथ ही पूछ बैठा- यह क्या है ? इसे ठीक क्यों नहीं कराती ?

मेरे इस सवाल पर नीना बड़ी ही अदा से मुस्कुराई और बोली- यही तो राज की बात है और राज को राज ही रहने दो तो ज्यादा अच्छा होगा।

मैंने जब कुछ ज्यादा दबाव डाला तो उसने पक्की चुदक्कड़ लेडी की तरह दुपट्टा नीचे तक सरका दिया और अपनी चूचियां नचा कर हंसते हुए बोली- आराम से आज शाम को सोते वक्त बता दूंगी यानि रात में!
मैंने भी नीना की हां मैं हां मिला दी और कहा- ठीक है, रात को बता देना।

फिर भी मैंने एक रिमार्क्स लगा ही दिया- लेकिन यह तो समझ में आने वाली बात नहीं है कि जींस की सिलाई इतने दिनों से क्यों खुली हुई है? यह खुल गई है या खोलकर रखी गई है। इसे सिलवा भी तो सकती हो तुम?

अब नीना ने गुस्से में होकर आंख तरेरी और कड़क आवाज़ में बोली- सारी बातें अभी जान लेना जरूरी है?

अपनी ममा के इस अंदाज़ पर पास के कमरे में चहल कदमी करते हुए बच्चे ठहाका लगाकर हंस पड़े कि ममा ने पापाजी को डांट दिया।

खैर शाम बीत गई।
डिनर खत्म करने के बाद हर कोई अपने कमरे में गया और हम हस्बैंड वाइफ भी हमेशा की तरह।

जब हम दोनों रेस्ट मोड में आए तो सोने से पहले की रूटीन चुदाई होनी ही थी।
लिहाजा मैंने नीना से उसकी फटी हुई जींस का राज जानना चाहा।

मैं बोल पड़ा- आखिर लेफ्ट की फीमेल लीडर की तरह तुम अक्सर घर में भी सॉफ्ट जींस पर नेताओं वाला कुर्ता क्यों डाल लेती हो? यही जींस पहन कर तुम तो अस्पताल चली जाती हो और घर में अक्सर यही पहनी रहती हो। वजह क्या है?

मेरी बात सुन कर मेरी जानम मुस्कुरा उठी और बोली- तुम इतने खुराफाती हो, फिर भी

नहीं जानते कि लंड चूत के मिलन का रास्ता निकल ही आता है।

“लन्ड चूत का मिलन ? आखिर फटी हुई जींस से लंड चूत के मिलन से क्या मतलब हो सकता है ?” मैंने सवाल उठाया।
“अगर तुम अभी तक यह नहीं समझ सके तो वाकई बड़े बुद्धू हो।” चुदाई की मास्टर डिग्री होल्डर नीना लहरा उठी।

दरअसल उसके दोअर्थी संवाद का मतलब तो मैं समझ रहा था लेकिन मैं नीना से सुनना चाहता था।

अब नीना प्रैक्टिकल मोड में आ गई और मेरा लोअर नीचे सरका चुकी थी। उसका हाथ सरकते हुए मेरे लंड को मुट्ठी में पूरा जकड़ चुका था।

मैडम की कामलीला को उनकी जुबान से सुनने के लिए मैंने उनके होठों को अपने होठों से दबाव के साथ ब्लॉक कर दिया।
लिहाजा नीना ने खुद को छुड़ाते हुए कहा- बोलने दो, तब तो बोलूंगी ना !
“ओके बोलो।”

“इसमें कौन सी राकेट साइंस है, जो तुम नहीं समझ रहे हो। मैं आगे से थोड़ा सा झुककर घोड़ी बन जाती हूं तो पीछे वाला दनादन लंड पेलने लगता है मेरी चूत में … वेरी सिम्पल।”

नीना एक सांस में बेधड़क बोली- घर में इसलिए यही फटी जींस पहनी रहती हूं, क्योंकि हर्ष का लंड लेना होता है।
“दूसरे हॉस्पिटल में डॉक्टर साहब के गदह लंड से चुदती हूं। यह सिलाई तो नई जींस लाते ही मैंने खुद कैंची से खोली है। फिर सिलाऊंगी क्यों ?”

नीना विद्वान चुदक्कड़ की तरह भाषण देती रही- इस बिंदास स्टाइल का सबसे बड़ा फायदा, न कपड़े हटाने का चक्कर, ना कुछ। बहुत मन किया तो ब्रा अन हुक कर दो बस और पीछे से मस्त गचागच लंड लेते रहो।

अब तो इतनी राम कहानी सुनने के बाद सेक्स की साक्षात देवी अपनी नीना की स्टाइल पर मुझे नाच होने लगा।

मैंने मुस्कुराते हुए कहा- अच्छा, फिर तो डॉक्टर के साथ इस स्टाइल के एक गेम की रनिंग कमेंट्री सुना दो मुझे।
नीना इस तरह आहें भरकर बोली- ओके, माय स्वीट हर्ट!

और अब आगे की बात मेरी नीना डार्लिंग की जुबानी सुनो मेरे दोस्तो!

एक दिन दोपहर में बिना फोन किए करीब डेढ़ बजे मैं डॉक्टर साहब के केबिन में पहुंच गई। डॉक्टर साहब मुझे देख कर खुश तो बहुत हुए लेकिन उनकी मजबूरी थी टाइम की।

उस दिन मरीजों के साथ व्यस्तता नहीं थी बल्कि मैनेजमेंट का पंगा था।
सच कहें तो उस दिन उनके पास चुदाई के लिए तो बिल्कुल समय नहीं था।

मगर इस नए गेट अप में मुझे पहली बार देखकर डॉक्टर को ताज्जुब हुआ जिससे डॉक्टर आखिर पूछ ही बैठा- इस न्यू लुक का कुछ खास मतलब है क्या?
"है ना, बताऊं या दिखा दूं सीधे-सीधे?"

मेरे इस सवाल पर डॉक्टर ने फटाफट दिखाने को कहा।

बस मैं सीधे पलटी और बेशर्म बनकर पीछे की ओर से अपना कुर्ता ऊपर किया। अपने चूतड़ों के बीच जींस के इसी छेद से अपनी चूत में तीन उंगलियां डालकर हिलाने लगी तो

डॉक्टर का दिल केवल हिला है नहीं, बल्कि दहल भी गया।

“वाव, वंडरफुल। क्या बात है ? लाजवाब, वाकई तुम लाजवाब हो जानेमन ! सच में तुम लाजवाब हो।” डॉक्टर मेरी तारीफ किए बिना नहीं रह सका।

फिलहाल केबिन में कोई मरीज नहीं था तो मैं डॉक्टर के पास जाकर उसके गाल पर एक प्यारी सी चुम्मी ली और मैंने आंख मटका कर कहा- क्या इरादा है आज ?
“बेहोशी की दवा देकर होश में आने की बात करती हो। अब तो वही करना पड़ेगा, जो कछ तुम चाहो।”

बेचारा डॉक्टर मेरे हुस्न के आगे सरेंडर कर चुका था।
करता भी क्या ? उसे तो वही करना था, जो मेरी चाह थी।

मैं अपने डॉक्टर साहब की उंगली पकड़कर उनको चेकिंग रूम में ले गई और उनकी पैंट की जिप को नीचे खींच दी।

फिर तो बेमुरव्वत होकर उनका प्यारा सा लोड़ा खींच कर बाहर ले आई ; उसके लन्ड को टॉप से लेकर जड़ तक चूस चूस कर मैंने बेहाल कर दिया।
इधर मेरी चूत भी बुरी तरह गीली हो चुकी थी या यूं कहें कि घोड़े जैसा मस्त लंड खाने के लिए व्याकुल थी।

दौड़कर मैंने अपने पर्स से एक पीस कंडोम निकाला और फटाफट लंड पर चढ़ाने लगी.
तो डॉक्टर समझ गया कि अब मुझसे अपनी चूत की गर्मी बर्दाश्त नहीं हो रही।

उसने भी देर करना बिल्कुल मुनासिब नहीं समझा और मेरे पिछवाड़े की ओर से पावरोटी की तरह सूज गई मेरी चूत में अपना लौड़ा ठोक दिया।

‘दे दनादन’ मेरी चूत में शॉट लगने लगे और मैं सिसकारी मार मारकर मज़े लूटने लगी।

इधर मेरी चूचियां बेतरह आग उगल रही थी तो मैंने ब्रा को अन हुक करने को कहा, जो डाक्टर डार्लिंग ने एक झटके में कर डाला।

अब पत्थर सी कड़क चूचियां मेरे डाक्टर के हवाले थी तो चूत की जड़ तक उसका घोड़े जैसा तगड़ा लंड चपक कर चोदते हुए मुझे पागल बना रहा था।

करीब पंद्रह मिनट तक मैं फायर ब्रांड चुदाई का मज़ा लेती रही तो साथ ही चिल्ला चिल्ला कर डॉक्टर को शुक्रिया अदा भी कर रही थी।

“मैं तेरी घोड़ी, तू मेरा घोड़ा!” उस दिन की हमारी चुदाई का स्लोगन रहा, जिसे मैं बार-बार चिल्ला चिल्ला कर बोले जा रही थी और डॉक्टर धक्के पर धक्का मारे जा रहा था।

इस सेक्स में मैं कई बार झड़ी, लेकिन अंत में डॉक्टर के साथ झड़ी तो सचमुच जिंदगी का मजा आ गया।
थैंक यू मेरे घोड़े टिक … टिक … टिक …

इतनी कहानी सुनाकर नीना अचानक चुप हो गई, बिल्कुल शांत और मेरे सीने बुरी तरह चिपक गई।

दोस्तो, आप सभी को एक खास बात और बात दूं कि मेरी नीना रानी अपनी चुदाई का यह वृतांत बताते हुए पूरे समय तक मेरा लन्ड मसलती रही।

दरअसल नीना डॉक्टर के साथ अपनी सेक्स कहानी को मुझसे शेयर करते हुए इतना गर्म हो गई कि वह तुरंत लंड अपनी चूत में झोंक देना चाह रही थी।

लिहाजा बिना देर लगाए माय हॉट वाइफ मेरा हाथ पकड़ कर बेड में आ गई और मेरे

ऊपर पूरी तरह छा गई।

अब मेरा लंड जड़ तक उसकी चूत के भीतर था और नीना स्लो मोशन में खेलने लगी, शायद अपने डियर डॉक्टर साहब को याद करके!

खैर हम दोनों की यादों की चुदाई पूरी हुई तो मुस्कुराते हुए मैडम ने मुझे किचन से कड़क कॉफी लाने को कहा।
उनके हुक्म की तामील हुई।

इस तरह सेक्स कॉफी को इंजॉय कर मैम फिर मेरे सीने से चिपक गईं और अपनी जुल्फें लहराने लगी।

प्यार का इजहार करते हुए वे बोलीं- यह तो जनाब डॉक्टर साहब की कहानी थी. और अब मेरे नन्हे से बेबी हर्ष की भी तो कहानी सुन लो।

"यस माई स्वीट, प्लीज़ …" नीना रानी की बिंदास चूचियों के साथ प्यार से खेलते हुए मैं चहक कर बोल पड़ा।

स्वीट नीना अब हर्ष के साथ घर में हुई अपनी इंडोर चुदाई की आप बीती कहने लगी।
तो सुनिए मेरी चुदासी वाइफ नीना की एक दूसरी कहानी, उन्हीं की अपनी जुबानी।

उस दिन आपको बच्चों की स्कूल जाना था फीस जमा करने। साथ ही बाल भी तो कटवाने थे अपने … इसलिए ऑफिस से आपने हाफ डे कर लिया था।
तभी टहलते हुए हर्ष आ गया।

सौभाग्यवश तब मैं अपने इसी फेवरेट ड्रेस में थी।
वह भी चौंक पड़ा ऐसे देखकर! वह बोला- वाह भाभी मैडम वाह! सच में कमाल कर दिया

आपने तो।

“अभी कमाल नहीं किया। कमाल तो अब करने वाली हूं, जिसको देखकर तुम्हारी आंखें बंद हो जाएंगी।”
इतना कहते ही अपने पर्स से कंडोम निकालने मैं बेड रूम में गई।

हर्ष ने मसखरी की और बोला- ऐसा क्या? मैं भी तो जानू कि मेरी भाभी जान ऐसा क्या करने वाली है?

बच्चे स्कूल में थे और मैं अकेले … जाहिर है आजादी का माहौल था ही।
लिहाजा मैंने भी फ्लर्ट करना शुरू कर दिया।

मेरे हाथ में कंडोम देखकर वह तुरंत बोला- एक गिलास पानी तक नहीं मिला और मैडम कंडोम हाथ में लेकर खड़ी हैं।

मैं मुस्कुराई और बोली- मेरी ब्रा जरा अन हुक कर दो मेरे बेबी। मेरे पास बिलकुल टाइम नहीं है, इसलिए बहुत जल्दी करो! जल्दी!

हर्ष खुद आगे बढ़कर फ्रिज से पानी निकाल लाया।
आखिर वह मेरी चूत का दीवाना तो था ही … भला मेरी बात कैसे नहीं मानता?

मैंने सबसे पहले उसके पैरों में वॉशरूम का स्लीपर पहना दी।
फिर इस स्टाइलिश चुदाई का प्लान समझाई।

मेरे प्लान में डोर लॉक नहीं करना था, जिसे सुनते ही वह उछल पड़ा और बोला- भाभी क्या कर रही हो?
मैंने उसे प्यार से बताया कि बेटे जैसे ही किसी के आने की आहट मिले, तुम फौरन टॉयलेट

में घुस जाना।

“वो तो ठीक है लेकिन तुम ?”
हर्ष के इस सवालिया निशान पर मैंने उसका गाल नोच लिया और मटकते हुए पिछवाड़े की असली कहानी का रंग दिखा दी।

आखिरकार उसे मेरी बात तो माननी ही थी। लिहाजा उसने अपना लौड़ा शर्माते हुए बाहर निकाला तो मैं इस खिलौने को हाथ में लेकर खूब खेली।

फिर मैंने खुद अपने हाथों से कंडोम चढ़ा दिया और अब मेरा ग्रेंड बेबी सरपट रेस लगाने के लिए तैयार था।

मैं वॉशरूम दरवाजे से सटकर थोड़ा सा झुक गई, वह भी बस इतना ही, जिससे हमारे लंड चूत का एंगल बिल्कुल सटीक लग जाए।

इस तरह हम दोनों दोस्त मस्ती के सागर में हिचकोले खाते हुए खुल्लम खुल्ला सेक्स करने लगे।

तब तक हर्ष मेरी ब्रा को अनहुक कर चुका था। मेरे चूचे मसलने के लिए तैयार थे।
उसके हाथों में आ चुकी मेरी चूची खिल उठी।

इस तरह मेरा चोदू शेर मेरी चूत में ठंडक पहुंचाने लगा, जो मेरे लिए सचमुच बहुत बड़ी किस्मत की बात रही।

मेरे फार्मूले पर चले यह ग्रेंड लवगेम वाकई बेहद मजेदार रहा।
हम दोनों ने खूब छक कर मज़े किए।

करीब आधे घंटे तक हमारा खेल चलता रहा मगर कोई झांकने तक नहीं आया।

यह तो सच में ऊपर वाले का रहमोकरम रहा यानि खुला दरवाजा और खुले खेल में कोई बाधा नहीं।
थैंक गॉड।

“ओह माय बेबी !” इस मौके पर नीना मैडम को हर्ष की याद आ गई और वे जोरदार तरीके से मेरे लोड़े से लिपट गई।

रात काफी बीत चुकी थी लेकिन माय हॉट वाइफ नीना एक राउंड और खेलना चाह रही थी।
वह भी 69 पोजीशन बनाकर … क्योंकि उसे तो इस समय हर्ष के साथ हुए सेक्स की याद सता रही थी।

खैर हम दोनों ने 69 को भरपूर इंजॉय किया और फिर नंगे ही एक दूसरे के हथियार पकड़ कर सो गए।

दोस्तो और सहेलियों बताना ज़रा … आखिर कैसी लगी मेरी चुदक्कड़ नीना की फटी हुई जींस या कहें फाड़ी गई जींस की कहानी ?

द ग्रेट आइडिया फॉर द ग्रेट चूत को सैल्यूट।

माय हॉट वाइफ नंगी कहानी अच्छी लगी या नहीं … कमेंट करना न भूलें।
beenaritesh85@gmail.com
कैसी होगी मेरी नीना की लंड खोर चूत ? सोचें और बताएं।
आपका सच्चा दोस्त

Other stories you may be interested in

गर्मागर्म सविता भाभी कॉमिक वीडियो (यहाँ फ्री देखें)
प्रिय पाठको, क्या आपने कभी इस बात की कल्पना की कि इन्डिया की सबसे खूबसूरत और सेक्सी भाभी की आवाज़ कैसी होगी ? जी हाँ … आप सही सोच रहे हैं – मैं और किसी की नहीं, केवल और केवल सविता […]
Full Story >>>

जेठ जी का जानदार लंड मिला- 1
मेरी रंडी चूत की प्यास नहीं बुझ रही थी क्योंकि मेरे शौहर दुबई में थे. एक दिन घर मेरे जेठ जी और मैं ही थे. उन्होंने मेरा हाथ पकड़ लिया और … नमस्ते दोस्तो, मैं चुदाई की दीवानी शबनम हाजिर […]
Full Story >>>

मौसी की जेठानी को मौसाजी के होते हुए चोदा
हॉट फॅमिली सेक्स कहानी में पढ़ें कि मौसाजी के आने बाद भी मौसी ने अपनी जेठानी के साथ मेरी चुदाई का सेटिंग कर दी. मौसी को मौसा ने चोदा. पिछली हॉट फॅमिली सेक्स कहानी मौसी और उनकी जेठानी का लेस्बियन […]
Full Story >>>

शादी में मिली भाभी की चुदाई : एक मीठी याद
हिंदी सेक्सी चुदाई कहानी मेरी मौसी के लड़के की शादी में मिली भाभी के साथ सेक्स की है। वहां एक भाभी की जवानी मेरी जवानी से टकरा गई तो क्या अंजाम हुआ। नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम विपुल है। यह हिंदी […]
Full Story >>>

सेक्स की नगरी की रसीली चुदाई की कहानी- 3
डर्टी चुदाई कहानी में पढ़ें कि कैसे पूरा नगर चुदाई का दीवाना था. हर घर गली मोहल्ले में खुल्लम खुल्ला चुदाई होती थी. ऐसी ही कुछ चुदाइयों का मजा लें. हैलो फ्रेंड्स, मैं अक्षय बाघमारे एक नगर में होने वाली […]
Full Story >>>